TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4487**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥ॐ॥ गोवरजा गुपाय। नले जनों नीलं मह। माया। नारक अकर बावन अार। चौद लोकते हनि अाधा
र॥१॥ च्यार खाणइ चुरासी लष्य। बो बन अ कर सकूनि मुषइ। जे जाणइ मा इका ब्रम्ह। तेक मंम
ह इ पामइ नी कर्म॥२॥ बावन अ दर सब्व धी काय। जे लहा पट चक्र मा हइ। घट मा अ दर जाण
इ जेह। कहि को इ उग्र माकुतेह॥३॥ प्रथम कमलि अ कर छिन्नार। तेह नि च बाकनि जो गो वी
चार। बीज इक मलि अक्र रवि छ य। ते लाकानि जोई नि लेइ॥४॥ त्री ऊ इ कमलि अ दर षट
च्यार। ते ह कुक फा कनि जो जोवी चार॥ चुथ इ कमलि अ दर छ इ बार। च आपा कलि छ बसा
र॥५॥ कमल पंच मि अ दर सोल। ती हा मा इकाकार कलोल। कमलि छठ इ अ दर बि अार। ते
जाणइ जोगी वी चार॥६॥ कमल सात मइ नथा जेह। चौद लोकपिक चुतेह। एत्र ह पन मइ अ दर
ई रग बिमा इका अछ इ जेह। सकूपी छवा बोल सुतेह॥७॥ एक वार कमल पिप च मइ समि। बाल
मकंरद वट सा षा रमि। दू यम कल निज हीइ वा दिता तो या। ना हरि चौद लोक मा जुइ उ को या॥८
न ऊती अव नान कू उ आ कामा। तहा रिमकंद मा इका मां हइ वा मा। श्री छि मी मा बी सघ लइ जलो
ते हकारण इक बोल सब लो॥९॥ नले श्रम मना घरि रनलो। ना हरि इम पुंग लो बिल इरा म
ला देवा। अरुन मि कां जइ बजे नी सेवा। हरि मं करना सेवा जेह। जक्र हाथे ला क्रया तेह॥१०॥ च ऊ
गे ता चुकमा सह। मा या। लावइ नाम रा णी कहो। जो गोप वन ऊपा मइ जेह। पाळी वाली ऊ लोते
ह॥११॥ ला ऊदो क ल निबाकर आधि। ही नला कमाए हनिलाघइ। अरथि लि परमच्यार। धरम 1

ज्ञान अर्थ चिंतामणि मो हु सार॥१४॥ ए ओंकार फाकरू गरलज्र अहंकार। कांम क्रोध विकार वारि। लिला
न लब्धि गइ मन संतोष आस्या पि। जी तु साय आइत्रिता षि॥१५॥ सोणपान रे इ विगाम जी। अनइम नप वनवी
जी मात्रा नलो। सबद अनाहत नेगम वे अ। जो तिजो त्रबी जो न इ दे अ॥१६॥ आज कर जाण अ
नइ आगजरासि। आ वागम नमो मि वकलपा सि। मन लवण अमृ जलमाहि गली। उवल मांमांनी
१ ला करग रहलि॥१७॥ पवन स्पमा हइ जेह इल का नाल। मन लवण एह जलि ताला। स्व ती आपण
इ जाग इजेह। मन रसली कहा इ वली तेह॥१८॥ सोल स्वर मा माई कह्या। पण एस्कु अ स्वार जाणुन
ही। रस्य कमल घी आवुवासा। वाणी इ का धु प्रकास॥१९॥ ककाथ्या अदार व इजेह। नगवंत नग
ति कहो मतेह। क कि इष्ट नइ ककिकाहीन। तेण इदीजइ ककानिमान॥२०॥ ककु कही इ केवलज्ञा
न। कोको जाण इ ककानु भरमा इ ष्ट नाम खि ककामाह इ। तेण इ ककु केवल ल्या इ॥२१॥ खखि खट
दरसण षट कर्म। खरखु कहि इ ते परब्रह्म। खर कर्म छइ खरखामांह इ। तेण इ खरखु खाजे लष्याय ज कर्म
॥२२॥ गागि गोपाल इ पाली गाय। गाविगो वालीया गो कल मांह इ। अरू गोवरधन गुत जगाय। ते इ रल
ण इ गगा गोरी कहि वराय॥२३॥ घघि घरि २ घोर रूप ज धस्या। काछि वेसतिरूप जजेह। घघु घ सदा
रट न कहो इ तेह॥२४॥ डाडु नर कहि नर संघ कपालो नमायी नइ नम उ रूपालेह नो नर मोभरमान मौन
षइ फाडु जेह। जन आम लउ मलु तेह॥२५॥ चचि चंद्र च किउ राह। चीत्र नजइ म हलु चक्रनु घा जेह
उ। तेण इ मस्तक इंनजी अम्हा राव उ करी। च चा चे नीति चोपली धरी॥२६॥ छाछि छो करवा मन
थया। छोनार जलि पोल इ गाया। छंद न ण ताछ ली उ ब लड् राया। ले ण इ छ छा च धा पो इ लुध्या अ
॥२७॥ ज जिजालि बाधिया जेह वार। ज नो रिज मि जोया ज गि च्यार। तपिर बा णी अम्हा जेह। ज जु १
जे आलबाण उ तेह॥२८॥

ज जिके बाम्हा का जा जो धा दरजो ध नस्तका धुक्रोधा। ज गफि यांम्व कल क्या जेण। कमु रिराभरी छते
हु॥२९॥ ञ ञि नर काम्ह रनर स्हलु। मारि लेई नारायण वलु। तुकुस्त जट नर मारू जेह। ञञु नारसु
लहु तेह॥३०॥ ट टि ट मकट मक्या मेह। टोलेट ल्पा राधा हरिलेया मनट म कूं माह्यु लु जेह। टट
पोली [illegible] षा रुकु तेह॥३१॥ ठ ठिवा मच लावा गरी। ठमक रवलो यूरुरी। ठगपा दैत सारि गस्या
जेह। ठठा गाइ गाह्नि उ तेह॥३२॥ ड डि मक ड मका ईमा। डगलो त्रण इ नस्या जगदीसा। डगुंभमे
डोल त्र मज जेह। डडा रावण गाढ ट तेह॥३३॥ ढ ढि गोकलि ढमक्या ढोल। ढलीस्त ना कसा ना
ढोल। ढम ढोली इ हरी बइग चको। ढ ढा सरव ण तो संब ढो॥३४॥ णि यणु त्रहीस लुं नेतेह। त्रम्हा
संकर कै सव तेह। एकमुरति नइ त्रण इ देव अथ या। तेण इ रण त्रु मलु दे कस॥३५॥ त तित्री
कमता रे मानु। तारी क मंत्र जाणो म जो। तप नु ता रें कुल रस जेह। तत तो वे उ कहा इ तेह॥३६॥
थ थिथी रकरा थाव र थ्या य। थोम्ह इर उ थ ने वाय। घट थ्या न कर्मा देष सि जेह। थथु थस्वक
बावलु तेह॥३७॥ द दि दीन दया द मदेह। दोना नाथ नू ध्यान जएह। दष गज न दमा परजेह।
दहु रावण दा वंट तेह॥३८॥ ध धइ ध्यान धारणा धरे। धीरप ई धरम आसण धरे। धरणा धरनु
ध्यान जएह। धधु धाण क धधो मा उ तेह॥३९॥ ननि नारायण नीरमल नाम। नीसा इ नीका नी
जए काम। नी चे सगत न घा परिहरू। नन्नु पोल रुप्या मइ षक॥४०॥ पपि पाम र पहु मि देहू। प च इ
इन्द्री वस इ क रू तेह। पद मासनि पवन ज कु रू हर। तो हरि पा ली पा टथा सइ नि कोर॥४१॥ फ फि पण
फू फउ फणमर काल। फ लपा मे स त्रुपदल गा वाले। फणग र फो कह धा सइ जेह। फ फा फगा गिजा 2
फइजा तेह॥४२॥

म लेव
...ालपी
२

बलिबाल्लु ~~उ...~~ बालम्हकंद। वामदेवइ लेईरुमउ नंद। माहम्रष मां दीगुनेह। नबामां एइ चांवलुं नेहा॥४२॥ ज
नि जधर जगवंतजेह। नोलइ जाबि नजइउंतेह। नुमइतला नारजेलाइम्र ला। नेलाइ ज ना जारनि सलइ
घया॥४३॥ ममि माधव मथुरा मांएइ। मालाषा फइमलवा ज्ञाइ। मारुमयगलमल मोम्माजेह। ममुमेम्ह
काल्लाइतेह॥४४॥ युधियुम नांत्रटिज यरकार। ज्यादवजा निजयत त्रेपार। जलला नेला मोबामदा। ला
जेहा। यमुपा रसपेटकुतेह॥४५॥ ररुरातकइबाव नुमांएइ। रामना ममलरु गइगाय। त्र्यरीयल। क्र
परिकयारुजेह। ररुराउतकलाइतेह॥४७॥ ललिलय लगानिहरी। एवइ कवका वाव एहलज पुरी
।लदमा वरपदपाम निजेह। लला घोला वां एइरुतेह॥४८॥ ...वास्वजेतला। वामदेव निव
नमालाघला। अनेकपिरस चाबइ अेह। व बुवाफाना मदे वजतेह॥४९॥ राशि पा ता मयंवरा मां एइ
म्मरपलाइपरल्पा रहूराय। संकुर त्रेबकजागुजेह। शत्रु कोटइमरमा उतेह॥५०॥ बाबि षांतइकरा ज्ञा
सि। मोटइपलइ सुकर निगनेवामाराम वना। पालपफानिज म्म। ब कुकुल इफा। ना उनी म्म॥५१॥ सनि
स्लमा त्रमा रुगपालाइ। जेलाइमकलसा। गरमानाम्पाधा। लाला। माागरकपरइ मघबालुजेह। मा साउ
लसातइ ल्लतेह॥५२॥ हहह हरला करु एलुहेली मांएइ। हरिनाम्र कइ हेहा मांएइ। हरिनामली धा मां
इएए मा। उलइला छि बिबाला लहेसि॥५३॥ केकरि करुमा। कपाऊंबफगभरे। सौ इकर मसघुला परले
मोरम नमोभवास्नु अेह। मनमन चोर बधा मिलेह॥५४॥ एमान्ल लतां जयरकार। मगलम। हेमरी नु
एलवी चारा। त्रम्रनेगा वत्रा नारकराम। एमलइमा त्री का नुयम॥५५॥ मरमतितलाइ पमांइकला। ज
ले जबानाम निउलटघरी। मा नलताडाइ मुएपुत्रका सा डोह निमाइमस स्नतइनु बामा॥५६॥ सार २
धाता उमइ जेहनि। षकं मा नजइजेहनि। कारिकोईउवे करजोमइ। दीनजाला म देस्तुबो मइ॥५७॥
सतिश्री बनमान्ल लेजकानामन्नुस्री॥ संवत ७२५ बल ... मदिद्र गऊ। धां नुमाऊं श्रा मेलषीनं॥